राजधानी •
वर्ष 19 | अंक 135 | पृष्ठ : 16+4
मूल्य : तीन रुपये
6 राज्य • 2 केंद्रशासित प्रदेश • 21 संस्करण

अमर उजाला

नई दिल्ली
मंगलवार, 24 अगस्त 2021
भाद्रपद कृष्ण-द्वितीया
विक्रम संवत-2078

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण कार्य शुरू

कंपनी ने शुरू किया जमीन समतल करने का काम, तिथि घोषित होने के बाद शिलान्यास करेंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

माई सिटी रिपोर्टर

ग्रेटर नोएडा/जेवर। जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की भूमि पर सोमवार को निर्माण कार्य की शुरुआत हो गई। निर्माण और विकासकर्ता कंपनी ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी की भारतीय कंपनी यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड (वाईआईएपीएल) ने सबसे पहले भूमि समतल करने का काम शुरू कर दिया है।

कंपनी अपने साइट कार्यालय तैयार कर चारदीवारी का निर्माण कराएगी। जिसके बाद एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) का भवन निर्माण किया जाएगा। जल्द ही शिलान्यस की तिथि घोषित कर दी जाएगी। जिसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एयरपोर्ट का शिलान्यास करेंगे। केंद्र और प्रदेश सरकार के ड्रीम प्रोजक्ट माने जा रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निर्माण कार्य की शुरुआत सोमवार को हुई। रविवार को ही एयरपोर्ट की साइट पर निर्माण कार्य शुरू करने के लिए उपकरण और मशीनें पहुंच गई थीं। इससे पहले नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले चरण का मास्टर प्लान नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नियाल) बोर्ड में ले जाने से पहले इसे मिनिस्ट्री ऑफ सिविल एविएशन (मोका), एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया और डायरेक्टर जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने पास भेजा गया था। इन एजेंसियों ने मास्टर प्लान में कुछ सुझाव दिए थे। इन सुझावों को सम्मिलित करते हुए फिर इन एजेंसियों को मास्टर प्लान भेजा गया था। इन एजेंसियों की हरी झंडी मिलने के बाद 13 अगस्त को मास्टर प्लान को नियाल के बोर्ड में रखा गया। बोर्ड ने मास्टर प्लान पर मंजूरी देते हुए कहा था कि इसे यमुना प्राधिकरण अपने बोर्ड में पास कराए।

एयरपोर्ट के प्रथम चरण के 1334 हेक्टेयर जमीन अधिगृहीत की गई है। इसमें 100 हेक्टेयर जमीन सरकारी है प्रथम चरण में इसी भूमि पर निर्माण होगा। प्रथम चरण में 6 रनवे में से 2 का निर्माण किया जाएगा। एयरपोर्ट निर्माण करीब 3000 किसान परिवार को जेवर बांगर में बसाया गया है। >> संबंधित पेज 2 पर

एयरपोर्ट की भूमि पर समतलीकरण के कार्य में जुटी टीम। विज्ञप्ति

> सोमवार से समतलीकरण का काम शुरू कर दिया गया है। सबसे पहले साइट कार्यालय बनाया जाएगा। इसके बाद चारदीवारी बनाने का काम शुरू होगा।
> – डॉ. अरुणवीर सिंह सीईओ यमुना प्राधिकरण

1334 हेक्टेयर जमीन एयरपोर्ट के प्रथम चरण के लिए अधिगृहीत

3000 किसान परिवारों को जमीन देने पर जेवर बांगर में बसाया

6 रनवे में से 2 का निर्माण प्रथम चरण में होगा

26 अगस्त को होगा कार्यालय में पूजन

जेवर (संवाद)। निर्माण कंपनी पहले जमीन समतल कराने के बाद अपना साइट कार्यालय बनाएगी। 26 अगस्त को साइट कार्यालय में पूजन किया जाएगा। इसके बाद कंपनी आगे का निर्माण कार्य शुरू करेगी। शिलान्यास से पहले कंपनी सहयोगी वेंडरों से जमीन समतल करने और चारदीवारी बनाने का काम पूरा करा लेना चाहती है।